

**GOVT. HOLKAR (MODEL AUTONOMOUS)
SCIENCE COLLEGE, INDORE**



(An ISO 9001:2015 & ISO 14001:2015 Certified Institution)



SSR DOCUMENT

2017-18 TO 2021-22

CRITERION -7

Institutional Values and Social Responsibilities

Metric No.:7.1,1

Document Title:

Articles reflecting gender sensitization and women's empowerment

तमसो मा ज्योतिर्गमय



मैं नारी एक अभिलाषा हूँ

माधवी वेद
बी.एस-सी प्रथम वर्ष

मैं नारी एक अभिलाषा हूँ,
मैं स्वयं की एक आशा हूँ,
मैं बलिदानों की खान हूँ,
मैं देश का सम्मान हूँ,
मैं बेटी हूँ मैं माता हूँ,
मैं खुद में ही एक गाथा हूँ।

मेरी सौम्यता की ही आड़ में
हाय ! मेरा क्या हाल हुआ,
कोई बता दे मुझको
क्यों स्त्री पर अत्याचार हुआ

जिस आंगन से गुजरी
हर उस आंगन में शब्दों से वार हुआ,
अपनी देहली लांघी जब भी
मुझ पर एक कलंक सवार हुआ।

चार वर्ष की बेटी से ही पिता ने छीना बचपन है,
समाज के ठेकेदारों ने लूटा उसको पल-पल है,
कहीं पति की निर्दयता के सामने पत्नी है हारी,
तब भी सुनने में आया गलती अब भी तुम्हारी।

जिस दिन नारी ने ममता के कोमल लिबास को छोड़ दिया,
जिस दिन नारी ने सौम्यता के कच्चे धागे को तोड़ दिया,

मतलब की इस दुनिया से मानवता ही खो जाएगी,
कलियुग की सच्ची तस्वीरें दुनिया के सामने आएंगी,
पूर्ण चंद्रमा की रजनी भी अंधकारमय हो जाएगी,
जब श्वेत बर्फ सी शीतल छाया दुनिया से मिट जाएगी।

अब तक नारी सावित्री - सी बन सह आई हर अत्याचार,
पर अब नारी महाकाली बनकर करेगी ये सीमाएँ पार,
बस नारी के संघर्षों का परचम जग में लहराएगा।
और उस पर अत्याचार कोई नहीं कर पाएगा।

कण-कण में कर्ण है

रितिक यादव
बी.एस-सी द्वितीय वर्ष

“सुतो वा सुतपुत्रों वा यो वा को वा भवाम्यहम् ।
देवायत्त कुले जन्म मदायत्तं तु पौरुषम् ॥

“पाण्डवो को तुम रखो, मैं कौरवों की भीड़ में
तिलक अपमान के बीच में, जो टूटे ना वो रीढ़ में।

सूरज का अंश होके, फिर भी हूँ अछूत मैं।
पूरे आर्यावर्त को जीत ले, ऐसा हूँ सूतपूत मैं।

कुंतीपुत्र हूँ, पर ना हूँ उसी को प्रिय मैं।
इन्द्र माँगे भीख जिससे, ऐसा हूँ क्षत्रिय मैं।

इतिहास साक्ष्य है, योद्धा मैं निपुण था।
बस एक मजबूरी थी, मैं वचनों का शौकीन था।

अगर ना दिया होता बचन वो, मैंने कुंती माता को।
तो पाण्डवों के खून से मैं धोता अपने हाथों को।

जब अर्जुन का गांडीव धरा पर बेबस यूँही पड़ा होगा।
मंत्र भी सारे अर्जुन के ओझल से हो जाएंगे रथ के पहिये
धरती में धँस जाएंगे।

तब निर्भय होकर चक्र चलाना या फिर अपना रथ खिंचवाना।
वो बड़ा वीर है सूर्यपुत्र, मृत्यु से कभी नहीं डरता।

तुमको वार तो करना होगा-वो निहत्थों पर वार नहीं करता।
है कृष्ण चलो ! एक बार फिर महाभारत हो जाए।

इस बार भी अर्जुन तुम्हें अपने साथ ले जाए।
छल से नहीं बल से, चक्र तुमको भी चलाना चाहिए।

यह धर्मयुद्ध बड़ा विचित्र है, गुरु द्रोण और भीष्म को भी
साथ रखना चाहिए।

हे कृष्ण तुमसा दुश्मन सही, बस मित्र, अपना कर्ण होना
चाहिए। बस मित्र अपना कर्ण होना चाहिए।

कुरुक्षेत्र की उस मिट्टी में, मेरा भी लहू जीर्ण है।
देखे छान के उस मिट्टी को कण-कण में कर्ण है।



माँ प्रकृति

पूजा पंवार
बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष

दृढ़ निश्चय

महिमा यादव
बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष

प्रकृति है, सबकी माता।
तुमसे सूरज-चंदा का नाता।
पक्षी खेले तेरी गोद में।
फल खिले तेरी गोद में॥
पेड़-पौधे हैं, माँ तेरे बच्चे।
ये भी हैं, दिल के सच्चे।
परोपकार का इन्हे पाठ पढ़ाया।
दिन-रात के संघर्ष से इन्हें बढ़ाया॥
माँ तेरा आंचल है, हरा भरा।
लाखों फूलों का इस पर रंग चढ़ा।
पवित्र नदियों का वरदान दिया।
अमृत के समान जल प्रदान किया॥
हजारों फलों का हमें भोजन दिया।
माँ तूने हम पर क्यों इतना उपकार किया॥
प्रकृति की गोद को हमने उजाड़ दिया।
अपने स्पर्श के लिए पेड़-पौधों को काट दिया॥
माँ की खुशियों के भक्षक बन बैठे हम।
पेड़-पौधों के लिए राक्षस बन बैठे हम॥
पक्षियों से छीन लिया घर उनका।
हम ने लूट लिया प्रकृति का तिनका-तनका॥
उजाड़ दिये हम ने लाखों वन।
दुःखी किया प्रकृति का मन॥
सुधार लो अब गलती अपनी वृक्ष लगाओ।
फूलों, कलियों, गुँचों से घरती महकाओ॥

अब ठान लिया तो ठान लिया
बस करना है तो करना है।
पेचीदा हो हालात मगर
बस बढ़ना है तो बढ़ना है।
मन का विश्वास बने सम्बल,
बुलन्द हौंसलने हो हर पल।
सागर की लहरों से कह दो,
बस पार हमें हो जाना है।
जब ठान लिया तो ठान लिया...
कल धूप रही तो छाँव भी होगी।
जो दर्द मिला तो खुशी भी होगी,
आंधी तूफानों के आगे बस अपने पैर जमाना है,
जब ठान लिया तो ठान लिया,
संकल्प स्वयं से वादा है,
इस दुनिया में दृढ़ इरादा है।
जब आए हैं इस दुनिया में,
जब ठान लिया तो ठान लिया,
बस करना है तो करना है।

“जिसकी सहायता से इच्छा शक्ति का वेग और स्फूर्ति अपने वश में हो जाए और जो मनोरथ सफल हो सके वही शिक्षा है। मस्तिष्क में अनेक तरह का ज्ञान भर लेना, उससे कुछ काम न लेना और जन्म भर वाद-विवाद करते रहने का नाम शिक्षा नहीं है।”

— स्वामी विवेकानंद



कविता

विश्व अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

— ऋषभ द्विवेदी, बी.एस-सी द्वितीय वर्ष

क्यों, क्यों आज ही तुम भी
मैं भी, कलम भी मेरी है विवश
साल भर कुरीतियों से हो कुंठित
आओ मनाएं विश्व अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस।

नारीवाद की सुनो यह अनोखी दास्तां
इनकी उपलब्धि ही सब करती बयां
ख्याल मैं भी रहता है ये दिन
तुम्हारे बचपन, जवानी से सयां।

ये मां भी है, एक बेटी भी है
कुछ न होते हुए भी एक मनोभाव है
औरों के लिए भले ही कठोर पर
अपने ममता के लिए मृदुल स्वभाव है।

वो किसी की भगिनी है, रक्षा करती समस्याओं से
वो किसी की संगिनी है, सांत्वना से मुक्त करती व्यथाओं से।

स्त्री है उसकी दूसरी परिभाषा
आधुनिक समाज में कुंठित
करने की है तुम्हें अभिलाषा
लोग तो कहते हैं कि वो क्या कर सकती है
कलम कहती है, वो स्त्री है, वो कुछ भी कर सकती है।

बोझ नहीं है वो इस धरती पर
समाज ही है प्रति उनके सख्ती पर
निज जीवन को त्याग मकान को भी बनाती घर।
रिश्तों की वह डोर है, मालाओं की है जैसे कड़ी
भांति बिना सुई के, अधूरी है जैसे घड़ी।

कलम भी आपको तुच्छ साबित करती है
वह नारी है, वो कई पीढ़ियों को शिक्षित करती है
शिक्षा रौशनी की लौ जलाने की जिसने ठानी है
अशिक्षा को मिटाने वाली महिला वो स्मृति ईरानी है।

(पूर्व मानव संसाधन मंत्री)

समाज का दर्पण भी देखता कहां है सूरतें इनकी
तुम कितने अम्ल फेकोंगे मुझ पर, सूरत को बिगाड़ोगे
मैं लक्ष्मी हूँ, उठूंगी, लड़ूंगी
तभी तुम स्वयं को सुधारोगे।

(लक्ष्मी अग्रवाल, एसिड अटैक पीड़िता)

तुम नज़र उठाओगे, मुझे नज़र झुकाना पड़ेगा
तुम्हारे इस नज़ारे को बदलकर दिखाना पड़ेगा
37 साल की उम्र में 7 स्वर्ण पदक जीतने वाली
महिला का मुक्का तुम्हारी सोचको भी खाना पड़ेगा।

(मैरी कॉम, मुक्केबाज)

तुम अपने स्वप्नों में दौड़ते हो
मैं अपने सपनों में भागूंगी भी
असम की इस बेटी का पीछा करते
तुम कितना दूर पहुँचे, ये जानूंगी भी

(हिमादास - भारतीय धावक)

सुना है तुम चर्चित समाज में प्रधान हो
तुम 3 शब्द बोलकर अपनाते हो,
अंश अंकित कर पीछा छुड़ाते हो
जखम बहुत दिए तुमने, अब इन्हीं पर मरहम
लगाकर फरिश्ता तुम कहलाते हो।

(शाह बानो - 3 तलाक)

तुम कहते हो, मेरा जज्बा बहुत कमजोर है
मुझको हवाओं से बाते करने का शोर है
मैं शिवानी हूँ, मुझे असंभावनाओं में
ही उड़ान भरने का एक नया जोर है।

(शिवानी सिंह - प्रथम भारतीय महिला विमानचालक)



महिला सशक्तिकरण

लैंगिक समानता कार्यक्रम



उद्घाटन करते हुए
प्राचार्य
डॉ. सुरेश टी. सिलावट



डॉ. अनामिका जैन
विषय प्रतिपादन करते हुए



महिला सशक्तिकरण समिति



महिला सशक्तिकरण



अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर
"महिला सर्वांगीण विकास कार्यशाला"



अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अपनी
बात रखते हुए डॉ. चिन्मयी सिलावट



राष्ट्रीय हरित कोर



दर्शक दीर्घा



बॉयो केमिस्ट्री विभाग द्वारा
शिक्षक पालक मीटिंग



युवा उत्सव के अन्तर्गत
एकल सुगम संगीत प्रतियोगिता

WOMAN : A LEADERSHIP ROLE FOR CONSERVATION AND ENHANCEMENT OF ENVIRONMENT.

Shweta Hardia¹ and Suresh T. Silawat²

1. Department of Botany, Government College Umarban, Dhar, [M.P.]

2. Government Holkar (Model, Autonomous) Science College, Indore [M.P.]

Email : shwetahardia@yahoo.com



Received : 18.10.2020

Revised : 21.11.2020

Accepted : 24.12.2020

ABSTRACT : Environment is an important aspect of our life. Therefore its conservation and enhancement is very important. There is an equal involvement of both women and men in environment. But the role of women in management of environment is much more than that of men. There are many ways by which women are directly connected with the environment. Women can also play a key role in the protection of biological diversity. They have the ability not only to protect the biodiversity, but also to reshape and recreate it. This study aims to find views of the active people regarding how important women are for nature. About 54% people think that women plays about 80 percentage role in maintenance of environment whereas 31% people think that women is solely responsible for the maintenance of environment. In their opinion, women plays 100% role in managing environment. In about 92.3% homes, women are caretaker of garbage at their home. 99% people think that involving the women in planning and training for promoting the values for conservation and promotion of environment can increase environmental protection. She can instill in future generations a respect for nature and the value of biodiversity. All people have the view that if female population in the world is used well it could increase economic growth, reduce poverty and help to ensure sustainable development in all countries.

KEY WORDS : Environmental resources; Conservation activities, Sustainable development managing environment

INTRODUCTION

Women are the symbol of strength, love, sacrifice and courage. The role of women in today's world is very important. Women are now well-educated, self-dependent, well aware and financially independent. With the encouragement of co-education, women are now leading in every field of life. She is now established socially, politically and economically in almost every field. Women account for over one-half of the population throughout the world, and therefore they have very potent contribution in economic, social and environmental problems. Environment plays a very important role in the healthy living of human beings thus environmental protection is one of the basic prerequisites for the overall development of any country in the world. For proper environmental preservation awareness towards its protection has to be developed. Human awareness is also developed for preventing adverse impacts on nature.

Role of women in increasing the awareness of towards environmental protection has been realized. Women have long experience with nature and it is incorporated into our social, economic and political systems, to define the limits of our resources, and to ensure our existence and future development of new generations of indigenous women Enrique (1995). In addition to their domestic and reproductive functions, women have use conservation invention for social good and they also participate intensively in conservation activities, Grill *et al.*, (2007). Research studies on women and environment have showed that women are significant actors in natural resource management, and they are major contributors to environmental rehabilitation and conservation Aditya (2016); Solomon *et al.*, (2014). Since women posses direct interaction with environment therefore they have deep knowledge about the environment Glazebrook (2011). This makes women good agriculturalists, water resources

managers and traditional scientists among others. Women not only have the knowledge about the environment, they are also protective and caring towards it. Women are actively involved in waste disposal and management, because they are closer to the environment. They are directly involved in environmental management by cleaning the environment and keeping it clean by managing garbage disposal. Women themselves are involved in regular disposal of garbage at the community level thereby minimizing the health hazard of garbage. Solomon *et al.*, (2014). Every woman uses the garbage box and collects the garbage to be thrown in the garbage boxes kept by the municipality. This habit not only keeps their houses clean but, the colony, the city and our surrounding environment also become orderly, tidy and healthy. For this purpose, women should be actively involved in training in the revitalization of the on-farm conservation traditions through bio-technological process. The training should also include compiling bio-diversity and for taking decision on issues related to environment.

Women can play a lead role in the protection of biological diversity due to their different responsibilities. They have found the ways not only to protect the bio-diversity, but also to recreate it. The Indian women are always leading ahead in the matter of prevention of pollution, preservation, conservation, promotion and enhancement of the environment. There are many examples of sacrifices made by women even greater than man in the area of environment protection. They have strong desire, devotion and dedication towards better environment which makes them a great fighter against environment pollution. Women also work towards maintaining greenery by developing hobby of gardening. By this they can at least keep the environment of their houses healthy. Looking at these prospective this study suggests the importance of a holistic and multidisciplinary approach in dealing with environmental issues.

The stage of studies sets four strategic objectives:-

- Role of women in environmental conservation and protection
- Involvement of women actively in environmental decision-making schemes.

- Integration of gender concerns and perspectives in policies and programmes for sustainable development.
- Strengthen the mechanisms at the national or international levels to assess the impact of development and environmental policies on women.

The strategic objective opens the issue of women and the environment and highlights the essential role played by women in the development of sustainable and ecologically favorable environment. This suggests the need for women to participate in environmental decision-making at all levels.

The present paper covers the role of women in environmental protection.

MATERIALS AND METHODS

Our study provides an investigation of the question of role of women in conservation and enhancement of environment. We have used qualitative research survey using google forms. Qualitative research is an important tool for environmental researchers for myriad reasons. Survey by using google forms is cost-effective and it helps to get findings from each and every individual.

OBJECTIVES AND RESEARCH QUESTIONS

This study is based on environment mainly comprising on use of online platform. The study sets some environmental goals that are critical in achieving sustainable societies and being good for environment. The study also suggests some of the economic, social and environmental benefits, and discusses the actions we can take to achieve these goals. There are many studies on environment, however, there are only a few studies based on the views of people towards role of women in environmental sustenance. This study aims to find views of the active people regarding how important women are for nature. Therefore, we conducted an online questionnaire in order to examine knowledge of women regarding environment, suggestive measures for environmental management and to get their views regarding environmental protection.

The study comprises of some main close ended questions with the options such as Yes/No

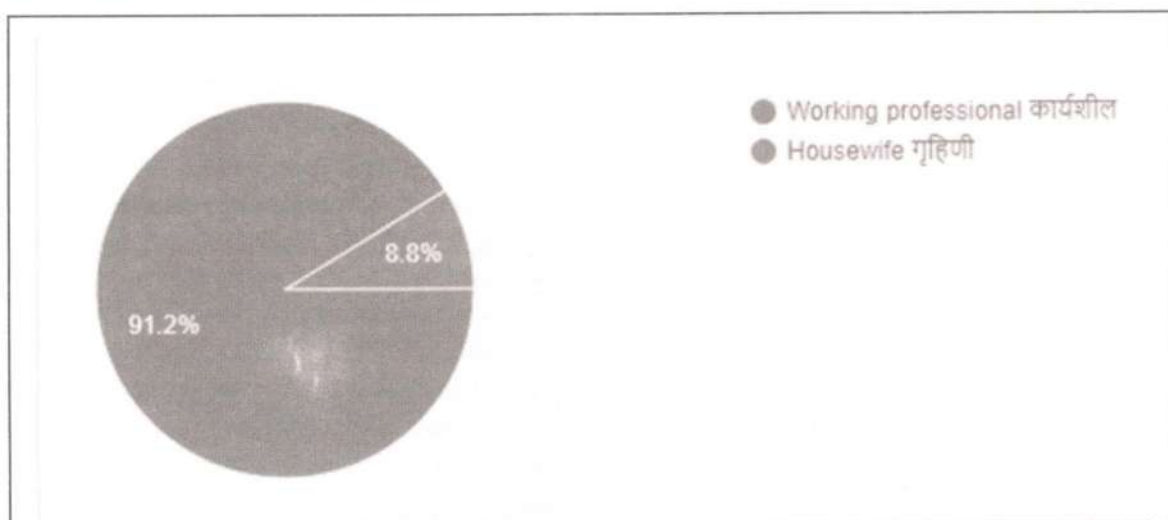
Or Strongly agree/Agree/Strongly disagree

The main research questions were based on getting views of people on following important points :

- Women plays a leadership role for conservation and enhancement of environment.
- In your opinion what percentage role does women plays in maintenance of environment?
- Are you involved in plantation of plants such as gardening activities?
- Who is taking care of garbage at your home?
- Are you managing the garbage correctly by separating it into different types such as moist waste and dry waste?
- Do you reduce and recycle the things?
- Conservation of natural resources and promotion of environment cannot be done without involving the women.
- Do you think that involving the women in planning and training for promoting the values for conservation and promotion of environment can increase environmental protection?
- Women have direct contact with natural resources like fuel, food and fodder, water and land. Thus they can play an effective role in its maintenance also.
- Women are also responsible for using natural resources to satisfy the basic needs of their families. Therefore they can have ways for protecting them.
- In your family who is responsible for protecting the other family members from diseases?

- Women is known to be first teacher of child .She can give future generations a respect for nature and the value of biodiversity.
- If female population in the world is used better it could increase economic growth, reduce poverty and help to ensure sustainable development in all countries.
- Women can reduce the environmental damage from unsustainable activities.
- Promotion of women to enter science and technology careers should be done.
- Greater weight to female perspectives in environmental policies should be given.
- Women have more sustainable consumption patterns. [Sustainable consumption is using resources in a way that minimizes harm to the environment while supporting the well-being of people].
- As household managers, women could be more productively involved in producing renewable and sustainable energy for heating and cooking.
- Because of their land-based work and knowledge of natural resources, women can act as an untapped asset in coping with the effects of climate change on livelihoods and providing relief in the event of natural disasters.
- Write in one sentence about the role of women in environment management.

Participants: The population for the study was selected in a non-probabilistic way and was comprised of around 100 persons from different background. The sample consists of about 91.2% working professionals and 9 % housewives. The majority of respondents were females.

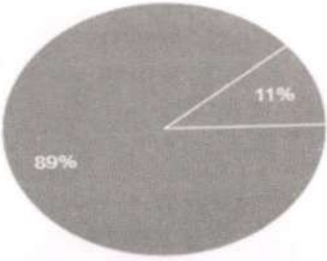
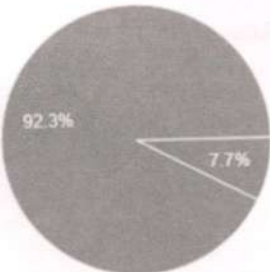
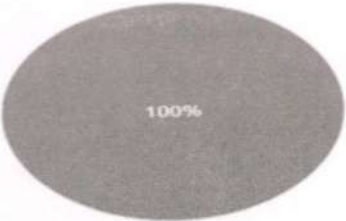
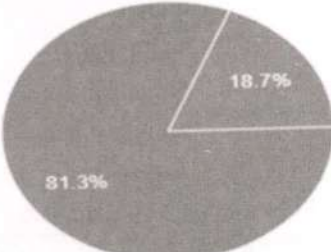
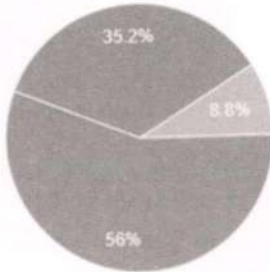


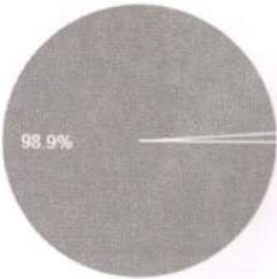
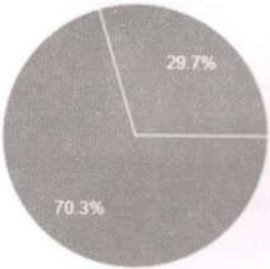
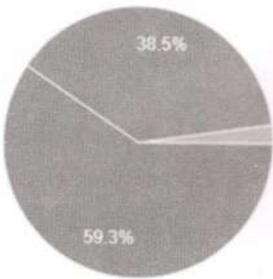
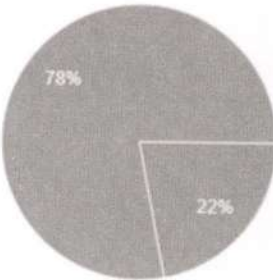
Data Collection Method: Data was collected online. The questionnaire was sent as a link through the free application Google Forms. The participants in the study have given information at the beginning of the questionnaire about the purpose of the survey.

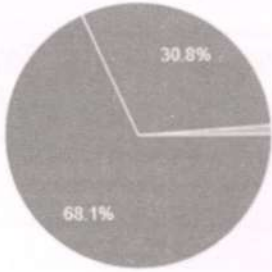
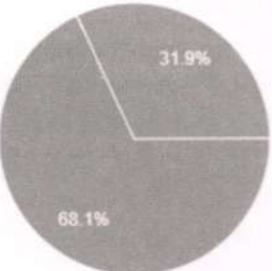
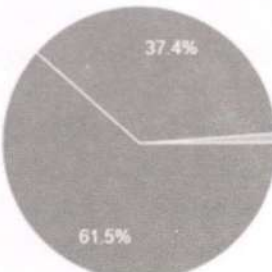
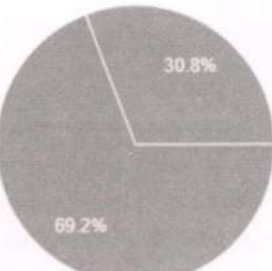
RESULTS AND DISCUSSION

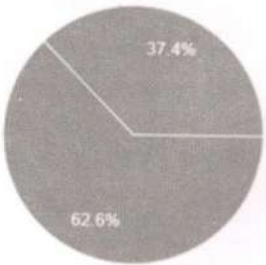
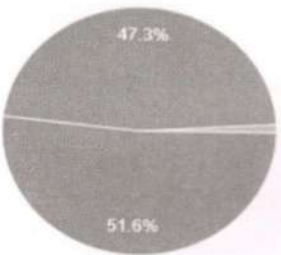
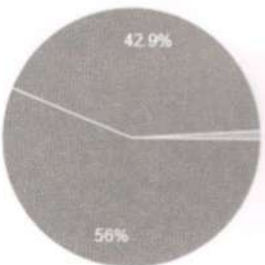
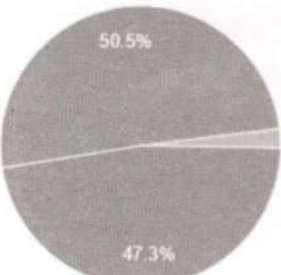
On the basis of questions set in the questionnaire it has been found that :-

	<p>About 74% people strongly agree and 26.4% agree with the point that women plays a leadership role for conservation and enhancement of environment.</p>
	<p>Studies shows that about 54% people think that women plays about 80 percentage role in maintenance of environment whereas 31% people think that women is solely responsible for the maintenance of environment. In their opinion, women plays 100% role in managing environment.</p>

 <p>● Yes हाँ ● No नहीं</p>	<p>About 90% of the people surveyed are involved in plantation of plants such as gardening activities.</p>
 <p>● Male member पुरुष सदस्य ● Female member महिला सदस्य</p>	<p>In about 92.3% homes, women are caretaker of garbage at their home.</p>
 <p>● Yes हाँ ● No नहीं</p>	<p>All are managing the garbage correctly by separating it into different types such as moist waste and dry waste.</p>
 <p>● Yes हाँ ● No नहीं</p>	<p>About 81% people reduce and recycle the things.</p>
 <p>● Strongly agree दृढ़ता से सहमत ● Agree सहमत ● Disagree असहमत</p>	<p>About half the persons surveyed strongly agree with the point that conservation of natural resources and promotion of environment cannot be done without involving the women.</p>

 <p>● Yes हाँ ● No नहीं</p> <p>98.9%</p>	<p>99% people think that involving the women in planning and training for promoting the values for conservation and promotion of environment can increase environmental protection.</p>
 <p>● Strongly agree दृढ़ता से सहमत ● Agree सहमत ● Disagree असहमत</p> <p>29.7%</p> <p>70.3%</p>	<p>All the persons surveyed were having opinion that women have direct contact with natural resources like fuel, food and fodder, water and land. Thus they can play an effective role in its maintenance also.</p>
 <p>● Strongly agree दृढ़ता से सहमत ● Agree सहमत ● Disagree असहमत</p> <p>38.5%</p> <p>59.3%</p>	<p>96.8 % people were having the opinion that women are also responsible for using natural resources to satisfy the basic needs of their families. Therefore they can have ways for protecting them.</p>
 <p>● Male member पुरुष सदस्य ● Female member महिला सदस्य</p> <p>78%</p> <p>22%</p>	<p>In nearly 80% families' female member is responsible for protecting the other family members from diseases.</p>

 <p>● Strongly agree दृढ़ता से सहमत ● Agree सहमत ● Disagree असहमत</p>	<p>99% people agree with the fact that a woman is known to be first teacher of child. She can instill in future generations a respect for nature and the value of biodiversity.</p>
 <p>● Strongly agree दृढ़ता से सहमत ● Agree सहमत ● Disagree असहमत</p>	<p>About sum total of all person have the view that if female population in the world is used better it could increase economic growth, reduce poverty and help to ensure sustainable development in all countries.</p>
 <p>● Strongly agree दृढ़ता से सहमत ● Agree सहमत ● Disagree असहमत</p>	<p>About 100% people were of opinion that women can reduce the environmental damage from unsustainable activities.</p>
 <p>● Strongly agree दृढ़ता से सहमत ● Agree सहमत ● Disagree असहमत</p>	<p>All agree for the promotion of women to enter science and technology.</p>

 <ul style="list-style-type: none"> ● Strongly agree दृढ़ता से सहमत ● Agree सहमत ● Disagree असहमत 	<p>63% people strongly agree and 37.4% agree with the point that greater weight to female perspectives in environmental policies should be given.</p>
 <ul style="list-style-type: none"> ● Strongly agree दृढ़ता से सहमत ● Agree सहमत ● Disagree असहमत 	<p>51% people strongly agree and 47.3% agree with the fact that women have more sustainable consumption patterns.</p>
 <ul style="list-style-type: none"> ● Strongly agree दृढ़ता से सहमत ● Agree सहमत ● Disagree असहमत 	<p>56% people strongly agree and 43% agree that as household managers, women could be more productively involved in producing renewable and sustainable energy for heating and cooking.</p>
 <ul style="list-style-type: none"> ● Strongly agree दृढ़ता से सहमत ● Agree सहमत ● Disagree असहमत 	<p>51% people strongly agree and 47.3% agree that because of their land-based work and knowledge of natural resources, women can act as an untapped asset in coping with the effects of climate change on livelihoods and providing relief in the event of natural disasters.</p>

When asked about their views in one sentence about the role of women in environment management, we have got many points such as Women are the environmental assets. Women are having the power to build our society in all manners. Traditionally, women have been responsible for managing water, food, fuel, fodder and habitat, though they rarely get the credit for nurturing these life support systems. Women play a critical role in managing natural resources for family and community. Women have a stake in environment, and this stake is reflected in the degree to which they care about natural resources. Women can play an important role in environment protection. As women's protect their Child, they can protect the environment as well this will maintain healthy atmosphere. Management of best out of waste at household level is the best practice done by women. Women play critical role in environmental management because they manage water sources for fuel and food assistance well as both forests and agricultural terrain.

CONCLUSION

Woman can play an important role to environmental resource management. An aware woman can make a significant impact on environment. Women play a very vital role in environmental protection not only at home but also at working place by contributing in plantation, recycling and other waste management activities. Women awareness to environment will bring great change to society as well as environment. Women give greater priority to protection of and improving the capacity of nature, maintaining farming lands, and caring for nature and environment's future. Women do play a vital role but it has to be in collaboration with many more factors in terms of government encouragement and family support an financial stability with awareness and the freedom to enter into this area devoid of other constraints at home and work place. Women play a critical role in managing natural resources on family and

community levels. Women are the lead for inheriting the culture of the environmental protection to future generations. Conservation of natural resource and promotion of environment cannot be done without involving the women in planning and training for promoting the values for conservation and promotion of environment. Women can provide different and productive ideas for environment management. Women play a critical role in managing natural resources at family and community levels and are most affected by environmental degradation. Besides, that woman even played a leadership role for conservation and enhancement of environment. Women are capable to manage environment more effectively and positively than men.

REFERENCES

- Aditya, S.K., (2016) Role of Women in Environmental Conservation. *International Journal of Political Science and Development* 4(4): 140- 145.
- Enrique, I., (1995) Protection of forests and other Natural Resources: A View for Central America. In *Social Aspects of Sustainable Dryland Management*. John Wiley and Sons. UNEP, Nairobi.
- Gill, S.E., Handley, J.F., Ennos, A.R., Pauleit, S. (2007) Adapting cities for climate change: the role of the green infrastructure. *Built Environ* 33(1): 115-133.
- Glazebrook, T. (2011) Women and Climate Change: A case Study from North Eastern Ghana. *Hypathia* 26(4): 762-782.
- Solomon, Z.W., Vincent, C.D., Arin, H.B., Daloeng, H.M., Baminda, A.B. (2014) Women Participation in Environmental Protection and Management: Lessons from Plateau State, Nigeria. *American Journal of Environmental Protection* 2(2): 32-36.